मॉडल पेपर

वार्षिक परीक्षा

साहित्यिक हिन्दी

(कक्षा 12)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट (केवल प्रश्न-पत्र) पूर्णांक : 100

निर्देश—

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है

खण्ड 'क'

1. (क) **खड़ी बोली गद्य की प्रथम प्रामाणिक रचना मानी जाती है—** 1

(i) बिहारी सतसई (ii) प्रेमसागर

(iii) गोरा-बादल की कथा (iv) पृथ्वीराज रासो

(ख) **'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक थे–** 1

(i) प्रतापनारायण मिश्र

(ii) बालकृष्ण भट्ट

(iii) बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

(iv) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(ग) **'पथ के साथी' किस विधा पर आधारित रचना है?** 1

(i) नाटक (ii) संस्मरण

(iii) आत्मकथा (iv) निबन्ध

(घ) **'कल्पवृक्ष' के लेखक हैं—** 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) भगवतीचरण वर्मा

(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल (iv) शिवप्रसाद सिंह

(ङ) **'आवारा मसीहा' के रचनाकार हैं–** 1

(i) विष्णु प्रभाकर

(ii) यशपाल

(iii) मोहन राकेश

(iv) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

2. (क) **प्रयोगवादी कवि हैं–** 1

(i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(ii) रामधारीसिंह 'दिनकर'

(iii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iv) जयशंकर प्रसाद

(ख) **'तारसप्तक' के सम्पादक हैं–** 1

(i) विद्यानिवास मिश्र

(ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(ग) **'वैदेही-वनवास' के रचयिता हैं–** 1

(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ii) सियाराम शरण गुप्त

(iii) जगन्नाथदास 'रत्नाकार'

(iv) मैथिलीशरण गुप्त

(घ) **'आधुनिक युग की मीरा' हैं–** 1

(i) महादेवी वर्मा (ii) सुभद्राकुमारी चौहान

(iii) शिवानी (iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) **'छायावाद की मुख्य विशेषता है–** 1

(i) प्रकृति का मानवीकरण (ii) युद्धों का वर्णन

(iii) यथार्थ चित्रण (iv) भक्ति की प्रधानता

3. गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5×2=10

पूर्वजों ने चरित्र और धर्म-विज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात् देखना चाहते हैं। यही राष्ट्र-संवर्धन का स्वाभाविक प्रकार है। जहाँ अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है, जहाँ भूत वर्तमान को जकड़ नहीं रखना चाहता, वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके आगे बढ़ाना चाहता है, उस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'राष्ट्र-संवर्धन' का प्रकार स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(v) लेखक किस राष्ट्र का स्वागत करना चाहता है?

अथवा

जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं, वह ऊर्जा का ही स्वरूप है। जैसा कि महर्षि अरविन्द ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं। इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ; दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं, वह किसका स्वरूप है?

(iii) महर्षि अरविन्द ने अस्तित्व का हिस्सा किसको माना है?

(iv) गद्यांश के आधार पर 'तादात्म्य' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(v) कैसी इच्छा रखना शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है?

4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 5×2=10

मनु जुग पच्छ प्रतच्छ होत मिटि जात जमुन-जल ।
कै तारागन ठगन लुकत प्रगटत ससि अबिकल ।।
कै कालिन्दी नीर तरंग जितौ उपजावत ।
तितनो ही धरि रूप मिलन हित तासों धावत ।।
कै बहुत रजत चकई चलत कै फुहार जल उच्छरत ।
कै निसिपति मल्ल अनेक बिधि उठि बैठत कसरत करत ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) क्या देखकर प्रतीत होता है, मानो यमुना के जल में दोनों पक्ष (कृष्ण और शुक्ल) मिल गए हों?
(iv) कौन तरंगें उत्पन्न करता है?
(v) कौन उठ-बैठकर अनेक प्रकार की कसरतें करता हुआ दिखाई पड़ता है?

अथवा

कह न ठंडी साँस में अब भूल वह जलती कहानी,
आग हो उर में तभी दृग में सजेगा आज पानी;
हार भी तेरी बनेगी मानिनी जय की पताका,
राख क्षणिक पतंग की है अमर दीपक की निशानी !
है तुझे अंगार-शय्या पर मृदुल कलियाँ बिछाना !
जाग तुझको दूर जाना !

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) इस पद्यांश से कवयित्री का आशय स्पष्ट कीजिए।
(iv) किसकी राख अमर दीपक का भाग बनकर अमर हो जाती है?
(v) 'क्षणिक' शब्द से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए।

5. (क) **निम्नलिखित में से किसी *एक* लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)–** 3 + 2 = 5
(i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी
(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
(iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय

(ख) **निम्नलिखित में से किसी *एक* कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)–** 3 + 2 = 5
(i) सुमित्रानन्दन पन्त, (ii) जयशंकर प्रसाद, (iii) महादेवी वर्मा

6. कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'पंचलाइट' *अथवा* 'बहादुर' कहानी की समीक्षा कीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)। 5
या 'कर्मनाशा की हार' *अथवा* 'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. **स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी *एक* खण्ड के प्रश्न का उत्तर दीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)—** 5
(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के कथानक का संक्षिप्त सारांश लिखिए।
या 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथावस्तु की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
या 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दु:शासन का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के कथानक की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
या 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग का सारांश लिखिए।
या 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक (प्रमुख पात्र) के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की घटनाओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
या 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य में निहित सन्देश को स्पष्ट कीजिए।
या 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

खण्ड 'ख'

8. (क) **निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांशों में से किसी *एक* का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए—** 2 + 5 = 7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्येचानेके गुणा: अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ता: वैयक्तिक जीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ता: राष्ट्रणां परस्परमैत्री सहयोगकारणानि, विश्वबन्धुत्वस्य, विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरूमहोदस्य प्रधानमंत्रीत्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पंचशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत्। यतो हि उभावपि देशौ बौद्धधर्मे निष्ठावन्तौ। आधुनिके जगति पंचशीलसिद्धान्ता: नवीनं राजनैतिकं स्वरूपं गृहीतवन्त:।

(ख) **निम्नलिखित संस्कृत-पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए—** 2 + 5 = 7

न म रोचते क्रुद्धो भद्रं व: उलूकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति।।

अथवा

प्रीणाति य: सुचरितै: पितरं स पुत्रो
यद् भर्तुरेव हितमिच्छति तत् कलत्रम्।
तन्मित्रमापदि सुखे च समक्रियां यद्
एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते।।

9. **निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—** 2 + 2 = 4
(i) ज्ञानमय: प्रदीप: केन प्रज्वालित:?
(ii) धीरा: कुत: पदं न प्रविचलन्ति?
(iii) दुर्योधन: क: आसीत् ?
(iv) दिलीप: किमर्थं बलिमगृहीत्?

10. (क) 'वीर' रस *अथवा* 'शान्त' रस के स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 1 + 1 = 2
(ख) 'श्लेष' अलंकार *अथवा* 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 1 + 1 = 2
(ग) 'बरवै' *अथवा* 'हरिगीतिका' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2

11. **निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए—** 2 + 7 = 9
(i) भारतीय किसानों की समस्याएँ और उनके समाधान
(ii) राष्ट्रीय एकता : आज की अनिवार्य आवश्यकता
(iii) जनसंख्या-वृद्धि की समस्या
(iv) युवाशक्ति में असंतोष के कारण और निवारण
(v) राष्ट्रभाषा हिन्दी का भविष्य

12. (क) **(i) 'दोग्धा' का सन्धि-विच्छेद है–** 1

(अ) दोग् + धा (ब) दोक् + धा
(स) दो + ग्धा (द) दोध् + धा

(ii) 'पावकः' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(अ) पौ + अकः (ब) पाव् + अकः
(स) पो + अकः (द) पा + अकः

(iii) 'हरेऽव' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(अ) हरे + अव (ब) हरे + इव
(स) हर + इव (द) हर + अव

(ख) **(i) 'घनश्यामः' में समास है–** 1

(अ) अव्ययीभाव समास (ब) द्वन्द्व समास
(स) कर्मधारय समास (द) बहुव्रीहि समास

(ii) 'उपतटम्' में समास है– 1

(अ) द्वन्द्व समास (ब) बहुव्रीहि समास
(स) अव्ययीभाव समास (द) कर्मधारय समास

13. (क) **(i) 'गुरुत्वम्' शब्द में प्रत्यय है–** 1

(अ) क्त्वा (ब) तव्यत्
(स) त्व (द) अनीयर्

(ii) 'कृत्वा' शब्द में प्रत्यय है– 1

(अ) तव्यत् (ब) अनीयर्
(स) क्त्वा (द) तल्

(ख) **रेखांकित पदों में से किसी *एक* पद में विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए—** 1 + 1 = 2

(i) प्रजाभ्यः स्वास्ति ।

(ii) गृहं परितः उद्यानम् अस्ति ।

(iii) नैकेनापि: समं गता वसुमति।

14. अपने गाँव अथवा मोहल्ले की गंदगी के सन्दर्भ में अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए स्थानीय समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

अथवा

तेजस्विन आपका मित्र है और उसने नेशनल स्तर पर ऊँची कूद में स्वर्ण पदक प्राप्त कर देश का नाम रोशन किया है, उसे बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

❐❐❐